



INSTITUTE OF ADVANCE STUDIES IN EDUCATION
Bilaspur (Chhattisgarh)

न्यादर्श

Presented By:

Dr. Vidya Bhushan Sharma
Lecturer

I.A.S.E. , Bilaspur (C.G.)





न्यादर्श (SAMPLE)

व्यावहारिक तथा सामाजिक विषयों के शोध कार्यों में न्यादर्श का विशेष महत्व होता है । इसके बिना शोध कार्य को पूरा नहीं किया जा सकता ।

शोधकर्ता अपने शोध कार्य के लिए जनसंख्या (Population) से निश्चित संख्या में कुछ इकाईयों को चयनित करता है । जो कि जनसंख्या का पूर्ण रूपेण प्रतिनिधित्व करती है । तो दस चयनित इकाई को ही न्यादर्श कहकर संबोधित किया जाता है ।

समष्टि की संकल्पना :-

समष्टि की संकल्पना एक सांख्यिकी संकल्पना है जिसका अर्थ होता है बहुत सी इकाईयों का एक वृहद समुह जिसमें से कुछ इकाईयों का अध्ययन के लिए चुना जाता है । अनुसंधान के संदर्भ में समष्टि इकाईयों की एक निश्चित संख्या होती हैं जिसके विषय में अध्ययनगत निष्कर्ष लागू होते हैं ।

समष्टि की समस्त इकाईयों में से अध्ययन हेतु कुछ इकाईयों को एक निश्चित विधि द्वारा चुन लिया जाता है, उन संकलित इकाईयों के समुह को न्यादर्श कहते हैं ।





न्यादर्श की परिभाषा :-

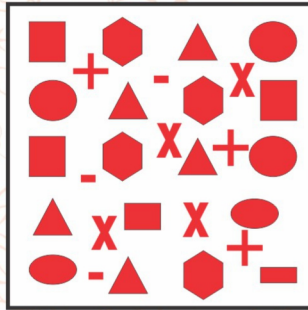
गुड एवं हेड के अनुसार :- एक न्यादर्श जैसा की नाम स्पष्ट करता है, सम्पूर्ण समुह का एक निम्नतम प्रतिनिधित्व है ।

पी.वी. यंग के अनुसार :- एक सांख्यिकी न्यादर्श एक निम्नतम आकार या सम्पूर्ण समुह का एक अंश है । जिससे न्यादर्श लिया जाता है ।

करलिंगर के अनुसार :- न्यादर्श, समग्र या जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने वाले अंशों का चयन है ।

बोगार्डस के अनुसार :- पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार एक समुह में से निश्चित प्रतिशत की ईकाईयों का चयन करना ही न्यादर्श है ।





जनसंख्या
(Population)

न्यादर्श चयन
(Sample Selection)



न्यादर्श
(Sample)





न्यादर्श के प्रकार

Probability Sampling (सम्भाव्य न्यादर्श)

Simple Random Sample

- सिक्का उछालकर (Tossing a Coin)
- पासा फेंककर (Throwing a Dice)
- लाटरी विधि (Lottery Method)
- टिपिट तालिका द्वारा (Tepitts Table)

Systematic Sample

Stratified Sample

Multiple Stage Sample

Multiple Sample

Cluster Sample

Non Probability Sampling (असम्भाव्य न्यादर्श)

→ Accidental or Incidental Sample

→ Purposive Sample

→ Quota Sample

→ Judgement Sample

→ Expert Sample

→ Chunk Sample

→ Self Selected Sample

→ Convenience Sample



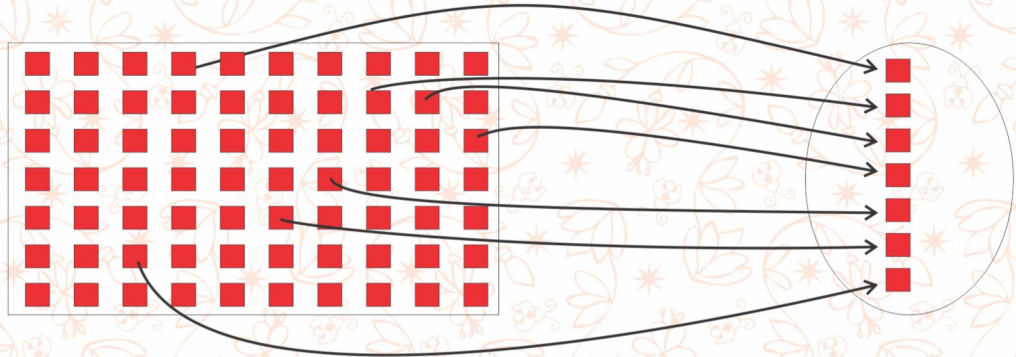
Probability Sampling (सम्भाव्य न्यादर्श)

जी.सी. हेल्मेस्टर के अनुसार :- सम्भाव्य न्यादर्श उसे कहते हैं जिसमें जनसंख्या के प्रत्येक सदस्य को न्यादर्श में सम्मिलित होने या चयन किये जाने की समान संभावना होती है। एक सदस्य का दूसरे पर कोई भी बंधन नहीं होता है, प्रत्येक सदस्य पूर्ण रूप से स्वतंत्र होता है।

1. * साधारण अनियमित न्यादर्श (Simple Random Sample) :- किसी जनसंख्या के सर्वाधिक सम्भाव्य प्रतिनिधित्व वाला प्रतिदर्श छांटने की एक सरल तथा वस्तुनिष्ठ विधि साधारण अनियमित न्यादर्श है। जिसे कभी - कभी सरल रैण्डम विधि कहा जाता है। इसमें जनसंख्या की प्रत्येक इकाई के प्रतिदर्श में चुने जाने की समान प्रायिकता होती है।

इस चयन विधि में जनसंख्या अथवा समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति को न्यादर्श में चयन के लिए समान अवसर प्राप्त होता है, इस न्यादर्श में एक दूसरे व्यक्ति के चयन पर प्रभाव नहीं डालता है।





Simple Random Sampling





(क) **सिक्का उछालकर (Tossing a Coin)** :- जनसंख्या के प्रत्येक व्यक्ति को लेकर उसके लिये सिक्का उछालें तथा यह निश्चित कर लें कि सिक्के के किस पहलू पर चयन करना है। यदि उसके नाम पर यही पहलू आये तो उसे चयन कर लें, विपरीत पहलू आये तो उसे चयन न करें। इस प्रकार चयन करके एक न्यादर्श प्राप्त हो जायेगा।

(ख) **पासा फेंककर (Throwing a Dice)** :- पासा फेंकना पर जो अंक आता जाये उसी नम्बर के व्यक्ति को न्यादर्श में सम्मिलित कर लिया जाये।

(ग) **लाटरी विधि (Lottery Method)** :- यह विधि भी लॉटरी विधि की ही तरह है। इसमें केवल कागज पर नाम लिखकर आँच चन्द करके कागज उठाते जाये और उन्हे न्यादर्श में सम्मिलित कर लें।

(घ) **टिपिट तालिका द्वारा (Tepitts Table)** :- एल.एच.सी. पिपिटस ने अनियमित संख्याओं (Tepitts Table) की एक तालिका बनायी। इस तालिका में 416000 अंक हैं। तथा 10400 चार अंकों वाली संख्याये हैं। इन संख्याओं को लेकर जनसंख्या में से उसी नम्बर के अनुसार व्यक्ति चुन लेते है।

